[श्री फ़खरुद्दीन अली अहमद]

कर दिया है । जहां तक हम को इत्तिला है, यू० पी० और बिहार में कार्यवाही शुरू कर दी गई है । मैं उम्मीद करता हूं कि उस से लोगों को काफ़ी इत्मीनान होगा । दोनों गवर्नमेंट्स की तरफ़ से मदद पहुंचाने का काम शुरू हो गया है और उस को जारी रखा जायेगा ।

आनरेबल मेम्बर ने पूछा है कि कितना अनाज हमारे पास है, कितना हम बाहर से मंगवा रहे हैं और कितना हम हर महीने तमाम मुल्क में तकसीम कर रहे हैं । जहां तक तकसीम का सवाल है, करीब करीब 11 लाख टन हर महीने डिस्ट्रिब्यूशन हो रहा है । मैं उम्मीद करता हूं कि आनरेबल मेम्बर इन दि नैशनल इन्ट्रेस्ट यह बताने के लिए प्रैस नहीं करेंगें कि कितना अनाज हमारे पास है और कितना हम बाहर से मंगवा रहे हैं । सरकार इन सब बातों का ख्याल रख रही है कि हमारे मुल्क में कितनी ज़रूरत है और किस तरह से हम उस को पूरा करें ।

अभी मानसून शुरू हुआ है । अगले एक दो महीनों में उस की पोज़ीशन क्या होती है, उस पर सारा इन्हसार है । अगर नेक्स्ट मन्थ में, सितम्बर में, बारिश नहीं हुई, तो उस से काफी नुक्सान पहुंच सकता है । हमें इन तमाम बातों का ख्याल रखना है और उन के मुताबिक काम करना है । उस के लिए हम ने स्टेप्स लिये हैं । मैं उम्मीद करता हूं कि इन दिक्कतों के बावजूद जहां तक मुमकिन हो सकेगा, हम लोगों को मदद पहुंचाने की कोशिश करेंगे ।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : : महाराष्ट्र में रुपये में जो पचास पैसे मदद दी जाती थी, क्या केन्द्रीय सरकार ने उस को बन्द करने का फ़ैसला किया है ?

श्री फखरुद्दीन अली अहमद : जहां तक टेस्ट रिलीफ़ का ताल्लुक है, हम ने कहा है कि महाराष्ट्र, राजस्थान और गुजरात में सितम्बर तक काम चलाया जाये । हम ने महाराष्ट्र गवर्नमंट को पचास पैसे ज्यादा दिये थे, लेकिन वे बन्द कर दिये गये हैं, क्योंकि अब वहां की हालत पहले से बेहतर है और बग़ैर उस ज्यादा इमदाद के भी पहले की मजदूरी दी जा सकती है । (व्यवधान)

MR. SPEAKER: Papers to be laid.

SHRI JYOTIRMOY BOSU: On a point of order....

MR. SPEAKER: I am not listening to anybody now.

(Interruptions)

3.30 hrs.

PAPERS LAID ON THE TABLE

REPORT ON ACCIDENT TO I.A. BOEING 737 ON 31ST MAY, 1973.

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF TOURISM AND CIVIL AVIATION (DR. SAROJINI MAHISHI): I beg to lay on the Table a copy of the Report on the accident to Indian Airlines' Boeing 737 VT-EAM on the night of 31st May, 1973. [*Placed in Library. See* No. LT-5149/73.]

(Interruptions)

THE MINISTER OF AGRICULTURE (SHRI F. A. AHMED): Hon. Members must realise that it is a State subject.

I have already said that I am going there myself. (Interruptions).

अध्यक्ष महोदय : आप लोग बैठिए । आप देखिए, इस तरह कैसे चलेगा ? मैं किसी बैंक-बेंचर को तो बैठा लूं, अब लीडर

भी खड़े हैं, इसलिए मैं चुप बैठा हूं, क्या करू? आप खुद ही बताइए कि आप यहां बैठे हों और इतना शोर हो रहा हो तो आप कैसे चलाएंगे ? .... (व्यवधान)... जो भी बात होगी वह शोर करने से हल नहीं होगी । वह तो आपस में बात करने से, आर्ग्यू करने से और कंविस कराने से होती है न कि शोर करने से होती है। (व्यवधान)..

SHRI JYOTIRMOY BOSU (Diamond Harbour): We are walking out in protest.

Shri Jyotirmoy Bosu, Shri Atal Bihari Vajpayee, Shri Shyamnandan Mishra and some other hon. members then left the House.

अध्यक्ष महोदय : कुछ लोगों ने तो शोर करने में टाप का स्पेशलाइजेशन किया हुआ है ।

13.35 hrs.

RE: RAJASTHAN STATE EMPLOYEES' STRIKE

SHRIMATI GAYATRI DEVI (Jaipur): Sir, I had asked if I could raise the question of the Rajasthan Karmacharis' strike in this House. I feel that it is very important that I should do so in view of the law and order situation that might be created in that State as a result of the fifteen days' strike. As the hon. Member who have preceded me said while speaking on the Calling Attention motion, Rajasthan too is a famine-stricken and scarcity-ridden State. With the combination of this strike and the Government's persistent refusal to talk with the employees the situation of the State might become very very dangerous, and that is why I wanted to draw the attention of this House to that fact.

I wonder whether you are aware that in this great democratic country of ours, in Jaipur there has been curfew for 36 hours, the longest period ever in our history since independence. The Chief Minister's contention that the employees refused to come forward and negotiate with him is not true. In fact, when the Rajasthan Karamchari Sangh made the 25-point programme they wanted to meet the Chief Minister and the Chief Secretary. When they were proceeding to the Chief Secretary's house, their road was blocked. Section 144 was imposed in the city outside the four walls and total curfew inside the city, thereby making the work come to a complete standstill.

I would like to appeal to this House to bear pressure upon the Chief Minister who, after all, was elected by the Centre, and not by the local Government, to speak to these people and discuss their demands. Those demands that are feasible should be met and on those that are not feasible there should be discussion to make them see reason. At this time of scarcity and famine we cannot afford to have a break-down of law and order.

Before I resume my seat, may I repeat the request made by other hon. Members of the opposition for the formation of a Committee of Members of Parliament to go round the drought-ridden and scarcity-stricken areas so that we can judge for ourselves the performance that this Government pretends that it is doing to alleviate the suffering of the people.

श्री हेमेन्द्र सिंह बनेरा (भीलवाड़ा) : अध्यक्ष महोदय, मैं इस संबंध में आप से निवेदन करना चाहता हूं कि आज राजस्थान प्रदेश में पूर्ण बन्ध का आह्वान किया हुआ और प्रशासन ठप पड़ा हुआ है...

अध्यक्ष महोदय : बगैर नोटिस के तो कोई चीज इस तरह आ नहीं सकती है ।